जल संदेश

गृह पत्रिका
वर्ष : 1, अंक : 2
माह : जनवरी 2022

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी लि. (उपक्रम मध्यप्रदेश नगरीय विकास एवं आवास विभाग)

जलशोधन संयंत्र, सोहागपुर

ओएचटी, बनखेड़ी

संपादकीय

आप सभी को नववर्ष 2022 की हार्दिक शुभकामनाएं,

नवीनता जीवन में सकारात्मक ऊर्जा निरंतर रखने के लिए आवश्यक होती है। मानव सभ्यता का विकास नवीनता का ही परिणाम है। विकास मनुष्य समुदाय की आवश्यकता है। आज के दौर में नगरीय क्षेत्रों का विकास देश की प्रगति का आधार है। जल प्रदाय और सीवरेज नेटवर्क नगरीय क्षेत्रों की रीढ़ होती है। मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा उत्कृष्ट मापदंडों के साथ इस दिशा में कार्य किया जा रहा है। अगामी दिनों में 14 निकायों में चौबीस घंटे सातों दिन जल प्रदाय व्यवस्था प्रारंभ किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। कटनी जिले के बरही के कुछ वार्डों में चौबीस घंटे सातों दिन जल प्रदाय का सफल परीक्षण चल भी रहा है।

निरंतर जल उपलब्ध रहने से जल के अपव्यय की संभावना बनेगी, अत: अब समुदाय की जिम्मेदारी रहेगी कि स्वच्छ जल के महत्व को समझें। इस बुनियाद पर नागरिकों को जागरूक करने के लिए मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी निरन्तर सक्रिय है। प्रेरक हर घर पहुंच कर लोगों को प्रेरित कर रहे हैं, वहीं सामुदायिक विकास अधिकारी भी क्षेत्र में रणनीति बनाकर नियोजित तरीके से जन चेतना का अलख जगाने में जुटे हुए हैं।

कम्पनी के वरिष्ठ स्तर के अधिकारी भी जल शोधन संयंत्र सहित अन्य घटकों का स्थल भ्रमण करवाकर महिलाओं और बच्चों को जल को स्वच्छ करने की प्रक्रिया एवं स्वच्छ जल के महत्व से अवगत करवा रहे हैं। जब हितग्राही परियोजना के महत्व को समझते हैं तब परियोजना की सफलता में कोई भी आशंका नहीं रहती है। आशा करता हूं कि कंपनी के प्रयासों से नागरिकों के व्यवहार एवं जल संरक्षण को लेकर उनमें सकारात्मक परिवर्तन आयेगा, जिससे 24 घंटे 7 दिन जल प्रदाय के संकल्प को सफलतापूर्वक नागरिकों तक पहुंचाया जा सके।

चंद्रमोहन मिश्र
उप परियोजना संचालक (प्रशासन)

संविधान की शपथ

संविधान दिवस के अवसर पर प्रमुख अभियंता श्री दीपक रत्नावत एवं उपरियोजना संचालक प्रशासन श्री चंद्रमोहन मिश्र द्वारा समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान की शपथ दिलाई गई। अधिकारियों व कर्मियों ने संविधान द्वारा दिए अधिकारों व दायित्वों का ईमानदारी से अनुपालन करने एवं संविधान में निहित मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर राष्ट्रगान का गायन भी किया गया।

श्रमिकों की सुरक्षा

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी की परियोजना क्रियांवन इकाइयों द्वारा निर्माणाधीन साइट्स पर श्रमिकों के सुरक्षा मापदंडों का पूरा ध्यान रखा जाता है। श्रमिकों को समय-समय पर उंचाई पर सुरक्षा, अग्नि से सुरक्षा एवं विधुत सुरक्षा जैसे बिन्दुओं पर प्रशिक्षत भी किया जाता है एवं मॉकड्रिल के माध्यम से अपात स्थिति से निपटने के गुण भी सिखाए जाते हैं।

अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी के संचालक मंडल की बैठक सम्पन्न

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी के संचालक मंडल की विगत दिनों बैठक सम्पन्न हुई इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि नगरों के सुनियोजित विकास के लिए विभिन्न एजेंसियों द्वारा संचालित योजनाओं की सतत समीक्षा की जाए। नगरों के विकास के विभिन्न कार्यों में संलग्न एजेंसियां परस्पर समन्वय के साथ जन-कल्याण के कार्यों को अंजाम दें। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह और नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्री ओ.पी.एस. भदौरिया भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि विभिन्न नगरों में सीवरेज योजना और जल प्रदाय योजनाओं के चल रहे कार्यों को यथा समय पूर्ण किया जाए। जानकारी दी गई कि विश्व बैंक की सहायता से मध्यप्रदेश शहरी विकास परियोजना में गत वर्ष दतिया जिले की सेवढ़ा जल प्रदाय योजना और शहडोल जिले की सीवरेज योजना को मंजूरी दी गई है। साथ ही मुरैना शहर क्षेत्र के लिए चंबल नदी पर आधारित उपचारित जल की आपूर्ति के संबंध में भी इस वर्ष स्वीकृति प्रदान की गई है।

संचालक मंडल की गत बैठक के निर्णयों के क्रियान्वयन की

जानकारी बैठक में दी गई। मध्यप्रदेश शहरी अधोसंरचना कोष में गठित कम्पनी की अंशपूंजी 10 करोड़ के स्थान पर 20 करोड़ रुपये किए जाने पर भी सहमति हुई। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, प्रमुख सचिव नगरीय विकास श्री मनीष सिंह, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनोज गोविल, आयुक्त नगरीय विकास श्री निकुंज श्रीवास्तव और अन्य अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

सीवरेज कनेक्शन के लिए जागरूकता अभियान

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा विश्व बैंक, एशियन डेवलपमेंट बैंक, के.एफ.डब्ल्यू. और विशेष निधि के सहयोग से सीवरेज परियोजना के कार्य क्रियांवित किए जा रहे हैं। नागरिकों को सीवरेज कनेक्शन लेने के लिए प्रेरित करने मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा ऑल इण्डिया इंस्टीट्यूट ऑफ लोकल सेल्फ गवर्मेन्ट के सहयोग से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। महिला घर की धुरी होती है। सीवरेज कनेक्शन महिलाओं के मान सम्मान के लिए बहुत आवश्यक है। यही बात महिलाओं तक पहुंचाने के लिए निकायों के वार्ड स्तर तक महिला बैठक और आंगनवाड़ी बैठक का अयोजन किया जा रहा है।

ऑल इण्डिया इंस्टीट्यूट ऑफ लोकल सेल्फ गवर्मेन्ट के प्रतिनिधि घर-घर जाकर लोगों को सीवरेज कनेक्शन के लिए प्रेरित कर रहे हैं। सीवेरज परियोजना से जुड़ी शिकायतों को प्रतिनिधि एकत्रित कर शिकायत निवारण समिति तक पहुंचा रहे हैं। इन शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा भी किया जा रहा है। गणमान्य नागरिक से लेकर आम आदमी तक अनौपचारिक चर्चा कर सीवरेज कनेक्शन के लाभ बताए जा रहे हैं। वहीं बच्चे समाज को जागरूक करने के लिए रैली निकाल रहे हैं। बच्चों द्वारा सीवरेज कनेक्शन की उपयोगिता बताने वाले चित्र संदेश के प्रसार में सहायक हो रहे हैं।

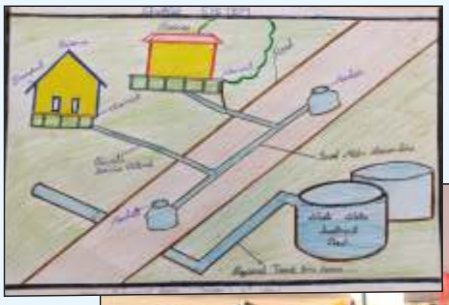

अखिल भारतीय स्थानीय स्वशासन संस्थान के सहयोग से सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। नगरीय निकाय के कर्मचारी और अधिकारी के साथ कॉलेज के छात्र भी इन सेमिनार में शामिल हो रहे हैं। संगोष्ठियों में तकनीकी विशेषज्ञ प्रतिभागियों को सीवरेज कनेक्शन की बिंदुवार विस्तार से जानकारी देते हैं। सीवरेज कनेक्शन की उपयोगिता नागरिकों को आसानी से समझाने के लिए नुक्कड़ नाटक आयोजित किए जा रहे हैं। नुक्कड़ नाटकों में कलाकार प्रभावी रूप से सीवरेज कनेक्शन की महत्ता से अवगत भी करा रहें है।

सेफगार्ड पर कार्यशाला का आयोजन

निर्माणाधीन परियोनजाओं में सेफगार्ड पर विश्व बैंक के सहयोग से कार्यशाला का आयोजन किया गया। सेफगार्ड के अन्तर्गत परियोजना में पर्यावरण, समाजिक और श्रमिकों की सुरक्षा से संबंधी पहलुओं को शामिल किया जाता है। कार्यक्रम के प्रारंभ में उप परियोजना संचालक तकनीकि श्री पी.सी. जैन ने कहा कि कम्पनी द्वारा क्रियांवित की जा रही परियोजनाओं में सेफगार्ड से जुड़े पक्षों की निरंतर मॉनिटरिंग करते हुए फीडबेक लिए जाते हैं।

इस अवसर पर कार्यक्रम के समन्वयक और तकनीकि अधिकारी श्री कमलेश भटनागर ने कहा कि किसी भी परियोजना में सेफगार्ड का प्रबंधन बहुत महत्वपूर्ण होता है भोपाल गैस त्रासदी जैसी दुर्घटना कहीं न कहीं सेफगार्ड की खामी का ही नतीजा है। श्री भटनागर ने फील्ड में तैनात पर्यावरण और समाजिक पर्यवेक्षकों से सेफगार्ड की स्थिति पर वन टू वन चर्चा भी की। विश्व बैंक के टास्क टीम लीडर श्री रघुकेशवन ने वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि कार्यशाला से मैदानी स्तर पर होने वाली समस्याओं का समाधान निकलेगा।

कार्यशाला में पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ. राजेश प्रजापति ने सेफगार्ड संबंधी मानकों को विस्तार पूर्वक प्रेजेंटेशन के माध्यम से समझाया। वहीं विश्व बैंक के पर्यावरण विशेषज्ञ अभिनिष कांत ने परियोजना के लिए पर्यावरण और समाजिक प्रबंधन प्रतिवेदन बनाने एवं अनुपालन के बिंदुओं से अवगत कराया। विश्व बैंक के विशेषज्ञ डॉ. अमित आनंद और डॉ. मोहन ने भी अपने विचार रखे। कार्यशाला में परियोजना प्रबंधक श्री राजेन्द्र कुमार सोलंकी, समाजिक विशेषज्ञ डॉ. अविनाश भठेजा सहित परियोजना प्रबंधन सलाहकार फर्म के टीम लीडर श्री तनय दास विशेषतौर पर मौजूद रहे। इस अवसर पर समस्त इकाईयों के सामुदायिक विकास अधिकारी, परियोजना पर तैनात संविदाकार और परियोजना प्रबंधन सलाहाकार फर्म के ईएसएच सुपरवाइजर सहित 100 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित रहे, वर्चुअल माध्यम से भी सभी परियोजना प्रबंधक और संबंधी अधिकारी जुड़े रहे।

एमपीयूडीसी में सामुदायिक विकास अधिकारियों के लिए कार्यशाला आयोजित

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी के मुख्यालय में सामुदायिक विकास अधिकारियों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रदेश के 14 निकायों में अगामी दिनों में 24 घंटे 7 दिन जल प्रदाय व्यवस्था प्रारंभ होने वाली है। निरंतर जल प्रदाय होने से पानी के दुरुपयोग की संभावना बढ़ेगी, ऐसी स्थिति में नागरिकों को जल के उचित उपयोग एवं मीटरयुक्त कनेक्शन लेने के लिए प्रेरित करने संबंधी बिन्दुओं पर यह कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला के पहले दिन सामुदायिक विकास अधिकारियों को संबोधित करते हुए उप परियोजना संचालक प्रशासन श्री चन्द्र मोहन मिश्र ने कहा कि जन जागरूकता के लिए कार्ययोजना तैयार की जानी चाहिए। जल प्रदाय परियोजना से नागरिकों को जोड़ने के लिए यह आवश्यक है कि चौपाल लगाकर लोगों के साथ बैठा जाये।

कार्यशाला में मुख्य अभियंता श्री विजय कुमार गुप्ता ने कहा कि किसी भी परियोजना के दो पक्ष होते हैं पहला तकनीकी और दूसरा समाजिक। समाजिक पक्ष ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। अत: समुदाय की परियोजना में भागादारी तय किया जाना चाहिए। श्री गुप्ता ने कहा कि स्कूल और कॉलेज के छात्रों को जल प्रदाय परियोजना के घटकों का दौरा कराया जाना चाहिए, जिससे वे स्वच्छ जल की महत्ता समझ सकें और अपने परिवार को समझा सकें।

इस अवसर पर उप परियोजना संचालक तकनीकि श्री पी.सी. जैन ने कहा कि निकाय स्तर पर शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत बनाना होगा। श्री जैन के कहा कि पानी के अपव्यय को रोकने के लिए महिलाओं को विशेषतौर पर प्रेरित किया जाना चाहिए, इसके लिए आगंनवाड़ी, आशा कार्यकर्ता व वार्ड स्तर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ अपनी सक्रियता बढ़ाई जानी चाहिए।

कार्यशाला में सीडीओ सुश्री सोनिका शर्मा, शैलेष तिवारी, उमेश सिंह, रश्मि तिवारी, काशीराम खुईया, सपना दुबे, अपराजिता मिश्रा, अर्चना सिंह और डॉ. बनवारी लाल यादव ने सहभागिता की। कार्यशाला का समन्वय श्री राकेश शाण्डिल्य और गिरीश नायर ने किया।

क्या आप जानते हैं ?

पीने योग्य स्वच्छ जल का पीएच मान 7 होना चाहिए। जल शोधन संयंत्र में फिटकरी आदि विभिन्न रसायनों द्वारा जल को तकनीकी विधि के माध्यम से उपचारित करके पीने योग्य बनाया जाता है। शोधित जल स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। अस्वच्छ पानी पीने से डायरिया, पीलिया, फ्लोराइड की अनियंत्रित मात्रा से दॉतों की बीमारी होती है।

अत: पेयजल परियोजना के अन्तर्गत प्रदाय किया जाने वाला जल स्वास्थ्य के लिए पूर्णत: उपयुक्त होता है।

मार्च 2022 तक जल प्रदाय परियोजना पूर्ण करने हेतु निर्धारित लक्ष्य

एशियन डेवलपमेंट बैंक के सहयोग से क्रियांवित जल प्रदाय परियोजना बोडा, आमला, कसरावद, मांडव, भावरा, मेघनगर, मिहोना, बैराड, विजयपुर, शाडोरा, भेड़ाघाट, कटंगी, पाटन, तेंदुखेड़ा, मझोली, खजुराहो, राजनगर, हटा मार्च 2022 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित है। वहीं मार्च 2022 तक विश्व बैंक की सहायता से क्रियांवित की जा रही खरगौन जल प्रदाय परियोजना को भी पूरा करने का लक्ष्य है।

अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा महिलाओं के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर

एमपीयूडीसी द्वारा इंदौर, उज्जैन, खरगौन, रीवा, शहडोल, सागर, ग्वालियर, छतरपुर, जबलपुर, भोपाल एवं होशंगाबाद सहित समस्त इकाइयों में महिलाओं को नल कनेक्शन करने की प्रक्रिया के अलावा नल सुधारने (प्लंबिंग कार्य) में प्रयुक्त होने वाले उपकरणों, बिल जनरेशन व डिस्ट्रीब्यूशन, डाटा संग्रहण की तकनीकी एवं व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है।

किसी भी परियोजना की सफलता तभी है जब महिलाएं उसमें सहभागिता करें। अपने क्षेत्र में चल रही परियोजनाओं की जानकारी रखना नागरिकों का अधिकार हैं। परियोजना में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने एवं रोज़गारमूलक गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से प्रशिक्षण का आयोजन किया जाता है। प्रशिक्षण के दौरान योजना अन्तर्गत प्रस्तावित घटकों, नल कनेक्शन, नल सुधारने (प्लंबिंग कार्य) बिल जनरेशन व डिस्ट्रीब्यूशन, डाटा संग्रहण की तकनीकी जानकारी विशेषज्ञ देते हैं। प्रशिक्षण का संयोजन इकाइयों के सामुदायिक विकास अधिकारियों द्वारा किया जाता है। इन शिविरों में महिलाएं भी उत्साह के साथ भाग लेती हैं।

पानी की महत्ता समझाना जरूरी

(24घंटे 7 दिन पानी देने का प्रयास)

मध्यप्रदेश नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा कटनी जिले के बरही नगर परिषद् में आम नागरिकों को जल प्रदाय परियोजना की जानकारी देने के लिए छात्रों, महिलाओं और गणमान्य नागरिकों को वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का भ्रमण करवाया गया। मुख्य अभियंता श्री विजय कुमार गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित इस भ्रमण कार्यक्रम में नागरिकों को जल शोधन की प्रक्रिया से विस्तार से अवगत करवाया गया। इस अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कंपनी के मुख्य अभियंता श्री विजय कुमार गुप्ता ने कहा कि पुरी के बाद बरही देश में एकमात्र ऐसा नगर होगा जहां चौबीस घंटे सातों दिन स्वच्छ पेयजल उपलब्ध रहेगा।

परियोजना प्रबंधक श्री ए.के. नंदा ने कहा कि बहुत परिश्रम और प्रक्रिया के बाद जल शोधित होता है। अतः नागरिकों को शुद्ध जल की महत्ता समझते हुए पानी बचाने की आदत अपनानी चाहिए। भ्रमण कार्यक्रम में उप परियोजना प्रबंधक श्री एस.एस. खरे, प्रोक्योरमेंट अधिकारी श्री अभय जैन, सामुदायिक विकास अधिकारी श्री गिरीश नायर, श्री राकेश शाण्डिल्य, सुश्री अपराजिता मिश्रा सहित अन्य विशेषज्ञ भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि बरही में एशियन डेवलपमेंट बैंक के सहयोग से जल प्रदाय योजना का कार्य पूरा हुआ है और बरही नगर के नौ वार्डों में 24x7 पानी उपलब्ध कराया जा रहा है।

आत्मविश्वास के साथ स्वच्छ जल के लाभ बताती महिला प्रेरक

अपने लिए जीवन जीना तो आसान होता है लेकिन जीवन में दूसरों के लिए कुछ करना बहुत मुश्किल। दूसरों के लिए कुछ करने की मिसाल पेश की है मध्यप्रदेश अर्बन डेवपलमेंट कंपनी की चिन्हांकित प्रेरकों ने। ये प्रेरक, स्वप्रेरणा से समाज को नल से जल लेने के लिए प्रेरित कर रही है। सबसे अच्छी बात यह की चिन्हांकित समस्त प्रेरक महिलाएं है। स्वच्छ जल जीवन की पहली आवश्यकता है, जल की जरूरत को जानते हुए शासन हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए प्रयासरत है।

एशियन डेवलपमेंट कंपनी के सहयोग से मध्यप्रदेश के 130 निकायों में जल प्रदाय योजना का कार्य क्रियांवित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी ने जल प्रदाय योजना को पूरा करने का जिम्मा उठाया है। बहुत सी जगह यह कार्य समाप्ति की ओर अग्रसर है। किसी भी योजना की सार्थकता तब है जब हितग्राही उसके महत्व को समझे। ट्रीटमेंट प्लांट, ओवर हेड टैंक, वितरण पाइप लाइन और मुख्य पाइप लाइन बिछाकर जल प्रदाय योजना की इतिश्री नहीं होती। जल प्रदाय योजना सफल तभी मानी जा सकती है जब हितग्राही उसका लाभ लें मतलब निकाय के हर घर नल कनेक्शन पहुंचे।

आमतौर पर कस्बाई इलाके के लोग नल कनेक्शन लेने के लिए जागरूक नहीं होते हैं। नल कनेक्शन लेने की जटिल कागजी प्रक्रिया को समझना उनके लिए कठिन बात होती है, लेकिन आम जन की कठिनाई दूर करना शासन का कर्तव्य है। इसी उद्देश्य के साथ अर्बन डेवलपमेंट कंपनी द्वारा निकायों में प्रेरकों के चिन्हांकन की परिकल्पना की गई।

100 से अधिक निकायों में महिला प्रेरकों का चिन्हांकन कर लिया गया है। ये महिलाएं परियोजना के बारे में लोगों को विस्तार से बता रही है। ट्रीटमेंट किए हुए शुद्ध जल से मिलने वाले पानी के फायदे नागरिकों को उनकी ही बोली में सहजता से समझाती है। इन प्रेरकों का काम परियोजना के अंतर्गत निर्मित संसाधनों की निगरानी करना भी है। छोटे मोटे प्रबंधन जैसे पानी के दुरुपयोग, लीकेज होने पर या पानी नहीं आने पर संबंधित अधिकारियों को सूचित करना भी इनके काम का हिस्सा है। चिंहान्कित प्रेरक द्वारा हर घर का सर्वे भी किया जा रहा है। यह महिला प्रेरक विशेष तौर पर महिला मंडली में सक्रिय रहती हैं और महिलाओं को जल प्रदाय योजना के बारे में विस्तार से समझाती है, इनका समझाना इतना सहज होता है कि अशिक्षित महिलाएं भी शुद्ध पानी और नल जल की महत्ता को आसानी से समझ लेती है।

करैरा की रेखा हो या कुरावर की पूजा या फिर सुसनेर की रुखसाना इनकी दिनचर्या का अहम हिस्सा बन चुका है, लोगों को स्वच्छ जल की उपयोगिता समझाना। मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट द्वारा महिला प्रेरकों के प्रशिक्षण की भी पर्याप्त व्यवस्था की गई है। परियोजना इकाइयों के सामुदायिक विकास अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों के दल द्वारा प्रेरकों के उन्मुखीकरण और क्षमता निर्माण के लिए कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में इन महिलाओं ने पूरी तन्मयता से सीखा की आम व्यक्ति को स्वच्छ जल के गुण कैसे बताये जाते हैं।

महिला प्रेरकों के लिए उचित व सम्मानजनक मानदेय की व्यवस्था भी मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी द्वारा की जा रही है। महिला प्रेरकों की कोशिशें रंग ला रही हैं। कई निकायों में लोग नल कनेक्शन लेने के लिए आतुर दिख रहे हैं। निकायों के रहवासी भी इन महिला प्रेरकों को भरपूर सहयोग कर रहे हैं। नगर की प्रेरक दीदी पूरे नगर की बेटियों के लिए आदर्श बनती जा रही है। आत्मविश्वास के साथ चेहरे पर संतोष का भाव लिए ये महिलाएं प्रमाणित करती है कि स्वच्छ जल के साथ हर घर नल पहुंचाना भी समाज सेवा का तरीका है।

के.एफ.डब्ल्यू. बैंक के छह सदस्यी प्रतिनिधि मंडल ने की प्रमुख सचिव और आयुक्त से सौजन्य भेंट

जर्मन बैंक के.एफ.डब्ल्यू. के छह सदस्यी प्रतिनिधि मंडल ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव श्री मनीष सिंह और आयुक्त सह प्रबंध संचालक श्री निकुंज श्रीवास्तव से सौजन्य भेंट की। मिशन में प्रतिभागी के तौर पर श्री लुकास मेस, राइने क्रूसे, फिलिप, किरण अवधानुला, खुमजुम खाबिलोगत्शुप और राहुल मनकोटिया शामिल रहे। प्रमुख सचिव और आयुक्त के साथ भेंट के अवसर पर निर्माणाधीन कार्यों के बारे में और अगामी परियोजनाओं एवं भविष्य के निवेश पर भी विमर्श किया गया।साथ ही कार्यों की मॉनिटरिंग के लिए रिमोट टूल्स की उपयोगिता पर भी चर्चा हुई। गौरतलब है कि है कि जर्मन बैंक के.एफ.डब्ल्यू. द्वारा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की सराहना की गयी। इस अवसर पर मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी के प्रमुख अभियंता श्री दीपक रत्नावत, उप परियोजना संचालक तकनीकि श्री पी.सी. जैन, तकनीकि अधिकारी श्री कमलेश भटनागर एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि के.एफ.डब्ल्यू. बैंक के सहयोग से मध्यप्रदेश में बड़वानी, सेंधवा, नरसिंहपुर, होशंगाबाद और मंडला में

सीवरेज परियोजना पर काम चल रहा है इन कार्यों को मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा क्रियांवित किया जा रहा है। मिशन दल द्वारा परियोजना स्थलों का निरीक्षण भी किया गया। दल के साथ परियोजना प्रबंधन फर्म जीटेक के तकनीकि विशेषज्ञ एवं अधिकारी भी मौजूद रहे। मिशन के कार्यक्रमों का समन्वय मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी के तकनीकि अधिकारी श्री कमलेश भटनागर ने किया।

सम्पर्क पता -

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी लिमिटेड

अमरकंटक भवन, एम.पी. नगर, जोन-1, भोपाल

दुरभाष - 0755-2763060, वेबसाइट - www.mpudc.co.in

ई-मेल - mpusipbpl@gmail.com

MPUDC Bhopal @MpudcB MPUDC Bhopal @MpudcB